Result Mitra Daily Magazine

GRAP और AQI

❖ हालिया संदर्भ :

- ठंड शुरू होने से पहले ही दिल्ली में वायु गुणवत्ता का स्तर निम्न होने लगा है, जिसे देखते हुए सरकार ने आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों के तहत ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) का चरण–I लागू कर दिया है।

❖ GRAP :

- यह आपातकालीन उपायों का एक सेट है, जो वायु गुणवत्ता में गिरावट को रोकने के लिए शुरू किया जाता है।
- इसका चरण–I तब लागू किया जाता है, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 'खराब श्रेणी' यानि 201–300 के बीच में पहुंच जाता है।
- चरण–II, III एवं IV AQI के 'बहुत खराब श्रेणी' (301–400), 'गंभीर श्रेणी' (401–450) एवं 'गंभीर + श्रेणी' (451 से ज्यादा) तक पहुंचने से तीन दिन पूर्व लागू किया जाता है।
- खास बात यह है कि अगला चरण लागू किए जाने के बाद भी पिछला चरण लागू रहता है।
- यह प्लान सर्वप्रथम 2017 में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया था।
- इसके लिए योजना नवंबर 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) द्वारा तैयार किया गया था, जबकि 2021 से इसका क्रियान्वयन 'वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग' यानि (CAQM) द्वारा किया जा रहा है।

❖ दिल्ली–NCR :

- दिल्ली–NCR के क्षेत्रों में CAQM का गठन CAQM Act 2021 के माध्यम से अप्रैल 2021 में किया गया था।
- इस आयोग के पास इस क्षेत्र में वायु गुणवत्ता और उससे संबंधित मामलों से जुड़ी समस्याओं के लिए बेहतर समन्वय, अनुसंधान एवं समाधान की शक्ति प्राप्त है।

- आयोग के अध्यक्ष के पास कम–से–कम 25 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव या कम–से–कम 15 वर्ष का पर्यावरण संरक्षण का अनुभव होना चाहिए।

❖ AQI :

- इसकी शुरुआत वर्ष 2014 में केंद्र सरकार द्वारा की गई थी।
- CPCB के अनुसार, AQI विभिन्न प्रदूषकों को एकल संख्या, नामकरण एवं रंग में बदलकर सूचकांक तैयार करता है।
- इसमें PM 2.5, PM 10 के साथ-साथ ओजोन, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन आदि शामिल होता है।

❖ श्रेणियां एवं रंग :

- भारत में वर्ष 2014 में रंग–कोडित AQI शुरू किया गया था, जिसके अंतर्गत निम्न 6 श्रेणियां है –

1. अच्छा – (0–50), रंग : हरा
2. संतोषजनक – (51–100), रंग : पीला
3. मध्यम प्रदूषित – (101–200), रंग : नारंगी
4. खराब– (201–300), रंग : लाल
5. बहुत खराब – (301–400), रंग : पर्पल
6. गंभीर – (401–500), रंग : मैरून

❖ PM 2.5 और PM 10 :

- ये अत्यंत सूक्ष्म कण वाले प्रदूषक होते हैं, जिनका व्यास क्रमशः 2.5 माइक्रोन एवं 10 माइक्रोन से कम होता है।
- अपने छोटे आकार के कारण ये बेहद खतरनाक होते हैं क्योंकि ये आसानी से नाक या मुंह के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।
- ऐसे कण अस्थमा, दिल का दौरा, ब्रोंकाइटिस एवं अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का कारण बनते हैं।
- ये काफी हल्के होते हैं, जिससे ये वायु में झूलते (Suspended) रहते हैं, जिससे ये सांस के द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं।

❖ AQI में शामिल प्रदूषक :

1. PM 10 (Particulate matter)
2. PM 2.5

Result Mitra TM

3. NO_2 - नाइट्रोजन डाइऑक्साइड
4. SO_2 - सल्फर डाइऑक्साइड
5. O_3 - ओजोन
6. NH_3 - अमोनिया
7. Pb - सीसा
8. CO - कार्बन मोनोऑक्साइड

Result Mitra